वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 288 बुधवार 18 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जेकेके में 'समुद्र मंथन' का भव्य मंचन: आधुनिकता की दौड़ में लुप्त होते विचारों पर प्रहार

कला और संस्कृति ही समाज का दर्पण: उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

100 कलाकार, जादुई संगीत और पौराणिक गाथा: जेकेके में जीवंत हुआ विश्व का प्रथम नाटक

विकास का अमृत या प्रदूषण का विष? 'समुद्र मंथन' ने आधुनिक समाज से पूछे तीखे सवाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान पर्यटन विभाग की ओर से 'राजस्थान दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव की शृंखला में मंगलवार की शाम जयपुर के जवाहर कला केंद्र के शिल्पग्राम में एक ऐतिहासिक अध्याय के रूप में दर्ज हो गई। अवसर था राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रतिष्ठित रंगमंडल द्वारा प्रस्तुत नाटक 'समुद्र मंथन' का। इस गरिमामयी संध्या में प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को राजस्थान दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान की धरती शौर्य के साथ-साथ कला और संस्कृति की भी जननी रही है। उन्होंने कहा, आज के भागदौड़ भरे युग में जब हम अपनी जड़ों से कट रहे हैं, 'समुद्र मंथन' जैसे नाटक हमें आत्मचिंतन की प्रेरणा देते हैं। यह गर्व का विषय है कि जयपुर की जनता को विश्व के इस प्रथम नाटक की प्रस्तुति देखने का अवसर मिला है। पौराणिकता और आधुनिकता का अद्भुत सेतु

प्रख्यात निर्देशक और एनएसडी रंगमंडल के निदेशक चितरंजन त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में मंचित इस नाटक ने दर्शकों को उस कालखंड में पहुँचा दिया, जिसे नाट्य शास्त्र के जनक भरतमुनि ने 'विश्व की पहली नाट्य प्रस्तुति' की संज्ञा दी थी। नाटककार आसिफ अली ने अपनी लेखनी के माध्यम से एक प्राचीन महाकाव्य को समसामयिक घटनाचक्रों से कुछ इस तरह बुना कि हर संवाद दर्शकों के दिल पर चोट करता नजर आया। नाटक की प्रस्तावना ही एक गहरे प्रश्न से होती है आखिरकार नाटक देखने से हमें क्या मिलेगा? हम विकास और भौतिक सुखों को छोड़कर कला और साहित्य पर मंथन क्यों करें? यह प्रश्न पूरी प्रस्तुति के दौरान दर्शकों के मन में तैरता रहा, जिसका उत्तर नाटक के क्लाइमेक्स में अत्यंत भावनात्मक और तार्किक रूप से दिया गया।

100 कलाकारों का जादुई कौशल और भव्य मंच सज्जा

मंच पर 100 से अधिक कलाकारों ने अपनी ऊर्जा और जीवंत अभिनय से समां बांध दिया। निर्देशक चित्तरंजन त्रिपाठी का निर्देशकीय अनुभव तब स्पष्ट दिखा जब एक विशालकाय स्क्रीन और अत्याधुनिक लाइट-साउंड तकनीक के माध्यम से समुद्र की लहरों, क्षीर सागर की भव्यता और देव-दानव संग्राम को उकेरा गया। संगीत परिकल्पना इतनी प्रभावी थी कि हर धुन दृश्य की गतिशीलता को दोगुना कर रही थी। मंच-सज्जा और परिधानों में भी पौराणिकता का विशेष ध्यान रखा गया, जिससे दर्शकों को पलक झपकने तक का समय नहीं मिला। नाटक की कहानी ऋषि दुर्वासा के उस क्रोध से शुरू होती है, जब वे देवराज इंद्र को शक्तिहीन होने का श्राप देते हैं। इस स्थिति का लाभ उठाकर राक्षस-राज बलि स्वर्ग पर कब्जा कर लेता है। जब आसुरी प्रवृत्तियां पूरी सृष्टि पर हावी होने लगती हैं, तब भगवान ब्रह्मा के मार्गदर्शन में इंद्र सहित सभी देवता भगवान विष्णु की शरण में जाते हैं। सृष्टि के पालनहार नारायण उन्हें क्षीर सागर का

मंथन करने का आदेश देते हैं ताकि ब्रह्मांड से लुप्त हो चुके सत्य, शक्ति और सार को पुनः प्राप्त किया जा सके। बासुकी नाग की रस्सी और मंदराचल पर्वत की मथानी के साथ शुरू हुआ यह मंथन केवल अमृत की खोज नहीं, बल्कि भीतर और बाहर के अंधेरे को दूर करने की एक प्रक्रिया बन गया।

समसामयिक संदेश: विकास का विष और पर्यावरण का संकट

नाटक केवल कहानी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने वर्तमान समाज की विसंगतियों पर भी कड़ा प्रहार किया। निर्देशक ने स्पष्ट संदेश दिया कि आज हम विकास के नाम पर इतनी तेजी से दौड़ रहे हैं कि उससे उत्पन्न होने वाले दुष्प्रभावों को देखने का समय ही नहीं है। 'समुद्र मंथन' का सबसे मार्मिक हिस्सा वह था जब समुद्र से अमृत के साथ-साथ 'हलाहल' (विष) निकला। नाटक ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर किया कि आज के आधुनिक मंथन (औद्योगिक विकास) से विष रूपी प्लास्टिक, जहरीली गैसें और दूषित रसायन निकल रहे हैं, जो हमारी हवा, पानी और मिट्टी को नष्ट कर रहे हैं। महादेव ने तो प्राचीन विष को अपने कंठ में धारण कर सृष्टि को बचाया था, लेकिन आज के इस बढ़ते प्रदूषण और वैचारिक विष से आने वाली पीढ़ी को कौन बचाएगा? नाटक के समापन के बाद उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कलाकारों से भेंट की और उनके प्रदर्शन की सराहना की।

हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम एवं 'कहकोसु' का दृष्टिकोण

डॉ. दर्शना जैन

भारतीय कानून में हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम के अनुसार पहले यह स्थिति थी कि यदि पिता की मृत्यु 9 सितंबर 2005 से पहले हो गई हो, तो पुत्री को संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त नहीं था। किंतु इस स्थिति को बदलते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने 12 अगस्त 2020 के अपने ऐतिहासिक निर्णय में स्पष्ट किया कि पिता की मृत्यु की तिथि से कोई फर्क नहीं पड़ता। पुत्री को जन्म से ही पुत्र के समान पैतृक संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त है। इस निर्णय से यह भी स्पष्ट होता है कि प्राचीन भारतीय परंपराओं में स्त्रियों को संपत्ति के अधिकार से वंचित नहीं माना गया था। जैन धर्म और प्राकृत साहित्य में स्त्री को न केवल सम्मानित स्थान दिया गया है, बल्कि उसे संपत्ति पर भी पुरुष के समान अधिकारिणी माना गया है। जैन कानून, जिसका उल्लेख बैरिस्टर चम्पतराय जी ने किया है, के अनुसार अविवाहित कन्या को पिता की संपत्ति पर पुत्र के समान अधिकार प्राप्त होता है। विवाह के पश्चात भी, पिता की सहमति से उसका अधिकार बना रहता है। इसी प्रकार पति की मृत्यु के बाद पत्नी को संपत्ति पर पूर्ण अधिकार होता है और वह उसका स्वतंत्र रूप से उपयोग कर सकती है। प्राकृत साहित्य में भी स्त्री को सर्वगुण संपन्न और अधिकार संपन्न बताया गया है। यहाँ तक कि यदि पति व्यसनों में लिप्त हो, तो पत्नी को उसे संपत्ति से बहिष्कृत करने का अधिकार भी प्राप्त है। इस संदर्भ में 11वीं शताब्दी के मुनि श्रीचंद्र कृत 'कहकोसु' ग्रंथ का एक प्रसंग अत्यंत उल्लेखनीय है। इसमें हस्तिनापुर के सोमदत्त नामक ब्राह्मण की पुत्री सोमा की कथा वर्णित है। पिता के वैराग्य ग्रहण करने के पश्चात सोमा का पालन-पोषण एक सेठ के संरक्षण में हुआ। बाद में उसका विवाह रुद्रदत्त नामक व्यक्ति से हुआ, जो व्यसनों में लिप्त था। विवाह के बाद जब सोमा को अपने पति के दुर्व्यसनों का ज्ञान हुआ, तो उसने अपने पिता द्वारा दी गई संपत्ति से उसे वंचित कर दिया और उसका बहिष्कार किया। इसके पश्चात सोमा ने अपनी संपत्ति का उपयोग धर्म कार्यों—जैन मंदिर, पाठशाला, धर्मशाला तथा चतुर्विध संघ की सेवा—में किया।

मुनि श्री 108 योग सागर जी महाराज का नसीराबाद में भव्य मंगल प्रवेश

नसीराबाद (रोहित जैन)

आचार्य भगवान ज्ञान सागर जी महाराज की समाधि स्थली एवं आचार्य विद्यासागर जी महाराज की आचार्य पदस्थली नसीराबाद में सोमवार को मुनि श्री 108 निर्यापक योग सागर जी महाराज के संघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर स्थानीय दिगंबर जैन समाज द्वारा मुनि संघ की श्रद्धापूर्वक अगवानी की गई। मुनि संघ का नगर प्रवेश आचार्य ज्ञान सागर जी महाराज की समाधि स्थल से जुलूस के रूप में प्रारंभ होकर मुख्य बाजार मार्ग से होते हुए श्री आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर तक पहुंचा। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने जगह-जगह मुनि संघ का स्वागत किया, विशेष आरतियाँ उतारीं तथा पाद प्रक्षालन कर धर्म लाभ प्राप्त किया। मंगल प्रवेश के दौरान पूरा नगर भक्तिमय वातावरण से सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में समाजजन इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बने। कार्यक्रम से संबंधित समस्त जानकारी स्थानीय दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता विजय पाटनी द्वारा दी गई।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप अग्रसेन द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 22 मार्च 2026
प्रातः 9 से 3 बजे तक

स्थान : प्रियंका हार्ट एण्ड जनरल हॉस्पिटल
मानसरोवर, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

:: संयोजक ::
राहुल जैन (मो. 9828671119)
सुमति जैन (मो. 9269072681)
पवन जैन (मो. 9251664870)

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

Vardhman Printers # 9314263204

करियर एक्सपो 2026: निवाई के जैन विद्यार्थियों को मिलेगी 5100 रुपए की विशेष स्कॉलरशिप

नई दिशा संस्थान और आर्यभट्ट इंस्टीट्यूट के आयोजन में 500 से अधिक विद्यार्थियों ने जाना भविष्य का मार्ग

निवाई (टोंक). शाबाश इंडिया

निवाई में 'नई दिशा संस्थान' एवं 'आर्यभट्ट करियर इंस्टीट्यूट' के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'करियर एक्सपो 2026' मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस मेगा सेमिनार में क्षेत्र के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अनुभवी विशेषज्ञों से अपने भविष्य के करियर को लेकर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त किया। आर्यभट्ट करियर इंस्टीट्यूट के संस्थापक दीप चंद जैन ने बताया कि कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ. राजकुमार करनानी ने दीप प्रज्वलित कर किया। डॉ. करनानी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों को सही समय पर सही दिशा मिलती है।

विशेषज्ञों ने दिए करियर मंत्र

नई दिशा संस्थान के निदेशक अर्पित जैन ने जानकारी दी कि एक्सपो में मेडिकल, पैरामेडिकल, इंजीनियरिंग, कॉमर्स, आर्ट्स, मैनेजमेंट, लॉ और एग्रीकल्चर जैसे विविध क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में निम्स यूनिवर्सिटी, पोदार कॉलेज, वीएसआई इंस्टीट्यूट, टीसी बिजनेस स्कूल, इंडस यूनिवर्सिटी और एलन इंस्टीट्यूट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के काउंसलर्स ने विद्यार्थियों के लिए 'पर्सनल काउंसलिंग सेशन' आयोजित किए, जिससे छात्रों की शंकाओं का समाधान हुआ। सेमिनार के समापन अवसर पर निदेशक अर्पित जैन ने एक बड़ी घोषणा करते हुए बताया कि निवाई के जैन विद्यार्थियों के लिए 'नई दिशा संस्थान' द्वारा प्रवेश लेने पर 5100 रुपये की विशेष स्कॉलरशिप प्रदान की जाएगी। इस घोषणा का उपस्थित जनसमूह ने हर्ष ध्वनि के साथ स्वागत किया।

सम्मान समारोह और आभार

कार्यक्रम के अंत में पंजीकृत विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, आयोजन की सफलता में सहयोग देने वाले विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं शिक्षकों को भी स्मृति चिह्न भेंट किए गए। अर्पित जैन एवं दीप चंद जैन ने सभी सहयोगियों और शिक्षण संस्थानों का आभार व्यक्त किया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL

प्रायोजक समाचार जगत

स्व. श्रीमती सुशीला देवी गोदिका की पुण्य स्मृति में

जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 22 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थान : बंजी ढोलिया की धर्मशाला
हल्दियों का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

जौहरी बाजार महिला समिति, जयपुर
डॉ. शीला जैन - अध्यक्ष, पुष्पा सौगानी - मंत्री
संयोजक :
श्रीमती नीरा लुहाड़िया, तरूणा संघी, विद्या कासलीवाल
सुधा वैद्य, ममता शाह, उमा पाटनी, कविता अजमेरा
एवं समस्त महिला समिति की सदस्याएं

: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

: सम्मानीय अतिथि :
श्रीमान् श्रवण कुमार, सुनील, सौरभ गादिका, श्री राकेश लुहाड़िया, श्री शैलेश पाण्ड्या

Vardhman Printers # 9314263204

दुनिया

जेन जेड में बढ़ती आत्महत्या

किशन सनमुखदास भावनानी

21वीं सदी को तकनीक, वैश्वीकरण और अवसरों की सदी कहा जाता है। आज की युवा पीढ़ी, जिसे जेन जेड कहा जाता है, डिजिटल दुनिया के साथ पली-बढ़ी है और सूचना व तकनीक से समृद्ध है। इसके बावजूद एक चिंताजनक सच्चाई सामने आ रही है युवाओं में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएँ। यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक सामाजिक संकट बन चुकी है। प्रश्न यह उठता है कि जीवन के सबसे ऊर्जावान चरण में युवा इतने निराश क्यों हो रहे हैं? इसके पीछे कई कारण हैं। आज का युवा शिक्षा, करियर, आर्थिक स्थिरता, सामाजिक प्रतिष्ठा और व्यक्तिगत संबंधों के भारी दबाव में जी रहा है। स्कूल और कॉलेजों में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो गई है कि पढ़ाई एक मानसिक युद्ध जैसी प्रतीत होने लगी है। परिवार की अपेक्षाएँ भी कई बार प्रेरणा के बजाय बोझ बन जाती हैं, जिससे असफलता का भय बढ़ता है। डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने भी इस समस्या को बढ़ाया है। इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर लोग केवल अपनी सफल और आकर्षक जिंदगी दिखाते हैं। इससे युवाओं में तुलना की भावना जन्म लेती है और वे अपने जीवन को कमतर समझने लगते हैं। यह भावना धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कमजोर कर अवसाद में बदल सकती है। इसके साथ ही भावनात्मक अकेलापन एक बड़ा कारण है। आधुनिक जीवन में सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन संवाद कम हुआ है। कई युवा अपनी समस्याएँ किसी से साझा नहीं कर पाते, क्योंकि उन्हें डर होता है कि उन्हें कमजोर समझा जाएगा। जब व्यक्ति लंबे समय तक अपनी पीड़ा को दबाए रखता है, तो उसकी मानसिक स्थिति गंभीर हो जाती है। आत्महत्या केवल एक व्यक्ति का निर्णय नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करने वाली घटना है। माता-पिता के लिए यह असहनीय आघात होता है और बच्चों के जीवन पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। लगभग सभी धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराएँ जीवन को अमूल्य मानती हैं और कठिनाइयों का सामना धैर्य व साहस से करने का संदेश देती हैं। इस समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य और जीवन कौशल पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। सरकार को काउंसलिंग सेंटर, हेल्पलाइन और मनोवैज्ञानिक सेवाएं सुलभ बनानी चाहिए। परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

संपादकीय

समानता और व्यावहारिकता के बीच संतुलन

13 मार्च 2026 को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में कामकाजी महिलाओं और छात्राओं के लिए 'पीरियड लीव' (मासिक धर्म अवकाश) अनिवार्य करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस दौरान कुछ ऐसी व्यावहारिक चिंताएं साझा कीं, जो कार्यस्थल पर महिलाओं की स्थिति और उनके करियर की स्थिरता से जुड़ी हैं। अदालत ने

स्पष्ट किया कि यदि इस प्रकार का प्रावधान कानून के रूप में अनिवार्य किया गया, तो इसके प्रतिकूल प्रभाव भी हो सकते हैं। पीठ के अनुसार, ऐसी अनिवार्यता होने पर कई नियोक्ता महिलाओं को रोजगार देने से हिचक सकते हैं, जिससे उनके करियर के अवसरों में कमी आ सकती है। सुप्रीम कोर्ट में दायर इस याचिका का मुख्य आधार यह था कि मासिक धर्म के दौरान होने वाली शारीरिक पीड़ा और असुविधाओं को देखते हुए अवकाश की सार्वभौमिक व्यवस्था होनी चाहिए। याचिकाकर्ता ने केरल सरकार के स्कूलों और कुछ निजी कंपनियों द्वारा दी जा रही 'पेड पीरियड लीव' का उदाहरण भी दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने टिप्पणी की कि यदि कोई संस्थान स्वेच्छा से ऐसी सुविधा देता है तो यह सराहनीय है, लेकिन इसे कानूनी बाध्यता बनाने से पहले सभी पक्षों पर विचार करना होगा। अदालत ने आशंका जताई कि इससे महिलाओं को सरकारी नौकरियों और न्यायपालिका जैसे क्षेत्रों में अवसरों की समानता खोनी पड़ सकती है। पीठ ने यह भी कहा कि महिलाओं को 'कमजोर' नहीं समझा जाना चाहिए और न ही मासिक धर्म को किसी 'नकारात्मक घटना' के रूप में देखा जाना चाहिए। अदालत का मानना है कि इस तरह की मांग कार्यस्थल पर महिलाओं की परिपक्वता को लेकर गलत धारणा भी पैदा कर सकती है। इस मुद्दे पर स्वयं महिलाओं के बीच भी अलग-अलग मत हैं। एक वर्ग का मानना है कि दशकों के संघर्ष के बाद उन्होंने कार्यस्थल पर बराबरी का हक पाया है; ऐसे में विशेष अवकाश की अनिवार्यता उन्हें पुरुषों की तुलना में कम सक्षम दिखा सकती है। कॉर्पोरेट संस्कृति में अक्सर उपलब्धता को सफलता का पैमाना माना जाता है, इसलिए अनिवार्य छुट्टी उन्हें प्रमुख नेतृत्व भूमिकाओं से बाहर कर सकती है। वहीं, एक अन्य पक्ष का मानना है कि इस विषय में 'मध्य मार्ग' अपनाना चाहिए। उनके अनुसार, इसे अनिवार्य अवकाश बनाने के बजाय 'वर्क फ्रॉम होम' या 'फ्लेक्सिबल वर्किंग आवर्स' का विकल्प देना अधिक श्रेयस्कर होगा। इससे महिलाओं की पेशेवर गरिमा और नौकरी की सुरक्षा भी बनी रहेगी और उन्हें शारीरिक कष्ट के समय राहत भी मिल सकेगी। वैश्विक स्तर पर देखें तो जापान में 1947 से ही इसकी व्यवस्था है। दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, जाम्बिया और हाल ही में स्पेन (2023) ने भी इस दिशा में कदम उठाए हैं। नाइके और जोमैटो जैसी कंपनियां भी अपनी आंतरिक नीतियों के तहत यह सुविधा दे रही हैं। हालांकि, हर देश में इसके नियम अलग-अलग हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

योगेश कुमार गोयल

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव, विशेषकर अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष, ने एक बार फिर वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था की नाजुकता उजागर कर दी है। होर्मुज जलडमरूमध्य में अस्थिरता के कारण ऊर्जा आपूर्ति बाधित हुई है, जिसका सीधा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर पड़ा है। देश के कई हिस्सों में एलपीजी सिलेंडरों की कमी, लंबी कतारें, होटल-रेस्टोरेंट पर संकट और कालाबाजारी जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी संकट नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरी को दर्शाती है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की आवाजाही होती है। सऊदी अरब, कतर, यूएई, कुवैत और इराक जैसे देश इसी मार्ग से ऊर्जा निर्यात करते हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। हालिया घटनाओं के कारण कई एलपीजी और एलएनजी टैंकर प्रभावित हुए, जिससे आपूर्ति बाधित हो गई। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए गंभीर है क्योंकि देश की एलपीजी जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर है। भारत हर साल लगभग 3 करोड़ टन एलपीजी का उपभोग करता है, जबकि घरेलू उत्पादन इसकी आधी जरूरत भी पूरी नहीं कर पाता। आयातित एलपीजी का 80-90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज मार्ग से आता है। यही कारण है कि इस मार्ग में व्यवधान का सीधा असर भारतीय रसोई पर दिखाई देता है। इसके विपरीत पेट्रोल और डीजल की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर है। भारत ने कच्चे तेल के आयात को विविध स्रोतों से जोड़कर जोखिम कम किया है। रूस, अमेरिका और अफ्रीका जैसे देशों से भी तेल आता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। साथ ही, देश के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार भी हैं, जो आपातकालीन स्थिति में राहत देते हैं। एलपीजी के मामले में स्थिति अलग है। इसे सुरक्षित रखने के लिए विशेष टैंकों और दबाव की आवश्यकता होती है, जिससे बड़े पैमाने पर भंडारण कठिन और महंगा हो जाता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार नहीं है और उपलब्ध स्टॉक केवल कुछ दिनों की जरूरत ही पूरी कर पाता है। इस संरचनात्मक कमी के कारण थोड़ी सी बाधा भी बड़े संकट का रूप ले लेती है। इस समस्या को उज्ज्वला योजना के विस्तार ने और संवेदनशील बना दिया है। आज देश में 33 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन हैं, जो पहले की तुलना में काफी अधिक हैं। इससे स्वच्छ ऊर्जा का प्रसार हुआ है, लेकिन निर्भरता भी बढ़ी है। जब आपूर्ति प्रभावित होती है, तो इसका असर सीधे करोड़ों परिवारों पर पड़ता है। संकट का प्रभाव केवल घरेलू उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। होटल, रेस्टोरेंट, छोटे उद्योग और खाद्य व्यवसाय भी गैस पर निर्भर हैं। आपूर्ति कम होने पर इन क्षेत्रों को प्राथमिकता से कटौती झेलनी पड़ती है, जिससे आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं। सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए कुछ तात्कालिक कदम उठाए हैं, जैसे एलपीजी उत्पादन बढ़ाना, वैकल्पिक स्रोतों से आयात करना और घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देना। हालांकि, ये उपाय केवल अस्थायी राहत प्रदान करते हैं। वास्तव में यह संकट भारत की ऊर्जा नीति में एक महत्वपूर्ण कमी की ओर संकेत करता है। जहाँ कच्चे तेल के लिए रणनीतिक योजना बनाई गई, वहीं एलपीजी और गैस सुरक्षा पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। अब आवश्यक है कि गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की जाए।

रोटरी क्लब बरवाला द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित, 90 यूनिट रक्त एकत्रित

पूर्व विधायक वेद नारंग ने किया रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन; समाज सेवा में महिलाओं ने भी दिखाई सक्रियता

बरवाला. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब बरवाला की ओर से मानवता की सेवा के संकल्प के साथ स्थानीय दुर्गा मंदिर में वार्षिक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक चले इस शिविर में क्षेत्र के युवाओं और महिलाओं ने भारी उत्साह दिखाया, जिसके फलस्वरूप कुल 90 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

चिकित्सीय टीम का सहयोग

रक्तदान शिविर में रेड क्रॉस हिसार के समन्वय से सिविल अस्पताल हिसार की टीम ने अपनी सेवाएं दीं। टीम में मुकेश व हरीश (टेक्नीशियन) और राजबाला (काउंसलर) शामिल रहे। इसके अतिरिक्त, सिविल अस्पताल बरवाला से सचिन और मनीष ने भी तकनीकी सहयोग प्रदान कर शिविर को सफल बनाया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक वेद नारंग पहुंचे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा जिला उपाध्यक्ष मुनीष, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोनू संदूजा, पार्षद राजा मेहता, शिवा प्रॉपर्टीज के निदेशक रामनिवास खोवाल और वरिष्ठ समाजसेवी रवि सरदाना ने शिरकत की। अतिथियों ने रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके इस नेक कार्य की सराहना की। इस अवसर पर क्षेत्र के पत्रकारों को भी उनके सामाजिक योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। शिविर की सफलता में अखिल भारतीय सेवा संघ (बरवाला शाखा), रोटरेक्ट क्लब, इनर व्हील क्लब और हनुमान मंदिर समिति ने सक्रिय भूमिका निभाई। रोटरी क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन ओम प्रकाश वधवा ने अपने संबोधन में कहा, ''रक्तदान महादान है, जो जाति और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठकर मानवता को जोड़ता है।'' उन्होंने स्वस्थ नागरिकों से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील की ताकि किसी भी जरूरतमंद की जान समय पर बचाई जा सके। शिविर का विशेष आकर्षण महिलाओं की बढ़-चढ़कर भागीदारी रही।

बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर यह संदेश दिया कि वे समाज सेवा के हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। कार्यक्रम का कुशल संचालन अखिल भारतीय सेवा संघ के अध्यक्ष विक्की रहेजा ने किया।

गणमान्य जनों की उपस्थिति

इस अवसर पर संस्थापक डॉ. सुरेंद्र कक्कड़, सुरेश जावा, मनोहर जावा, पवन ढिंगड़ा, सोमू रहेजा, मनोज कथुरिया, राजेश मनूजा, राजकुमार बजाज, बेअंत सिंह, डॉ. अभिषेक सरदाना, अमन मेहता, पिंदर तूर, महेंद्र सेतिया, मा. केवल कृष्ण आर्य, पवन मलिक, चिराग वधवा, सोनू चौपड़ा, साहिल कथूरिया सहित सरला कामरा, आशा रहेजा, अनीता भाटिया और रोटरी परिवार के अनेक सदस्य व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से
प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.
प्रायोजक समाचार जगत
खाद्य पदार्थ व्यापार संघ
द्वारा
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर एवं
समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026
बुधवार 18 मार्च 2026
प्रातः 10 से 3 बजे तक
स्थान : राजधानी अनाज मंडी
रोड़ नं.9, कुकरखेड़ा, वी.के.आई., जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।
:: संयोजक ::
रामचनण नाटाणी (मो. 9829712811)
अविनाश जैन (मो. 9414077152)
: आयोजन समिति :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फैडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया
Vardhman Printers # 9314263204

युवा परिषद परिवार का 'आया फागण, छाया फागण' कार्यक्रम सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्थित विनय-स्नेहलता सौगानी एम्पायर फार्म हाउस में अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद परिवार की प्रतापनगर संभाग शाखा द्वारा भगवान आदिनाथ जन्मोत्सव एवं फागण के अवसर पर होली फागोत्सव मिलन समारोह बड़े ही धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जैनरत्न उपाधि से अलंकृत मनोज-सीमा सौगानी (पहाड़ी वाले) द्वारा किया गया, जबकि मुख्य दीप प्रज्वलन युवावीर विनित-विजेता छाबड़ा परिवार ने किया। इस अवसर पर भगवान आदिनाथ के माता-पिता राजा नाभिराय और रानी मरुदेवी का स्वरूप धारण करने का सौभाग्य राजेश-रेणु जैन काला परिवार को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत भक्तिमय मंगलाचरण से हुई, जिसमें प्रीति प्रिया जैन ने मनमोहक प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्ति से सराबोर कर दिया। इसके पश्चात अल्का पाटनी एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत नाटिका ने भगवान आदिनाथ के जन्मोत्सव को जीवंत कर दिया। नाटिका में जैसे ही प्रथम तीर्थंकर का जन्म दशार्या गया, उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने बधाई गीत गाकर और फूलों की वर्षा कर वातावरण को जयकारों से गुंजायमान कर दिया। राजा नाभिराय एवं रानी मरुदेवी के स्वरूप में उपस्थित पात्रों ने सभी श्रद्धालुओं को प्रभु जन्म की बधाइयाँ दीं, जिसे पाकर सभी भक्त आनंदित हो उठे। इसके बाद फागण की मस्ती में सजे हाऊजी गेम और फूलों की होली के साथ रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नृत्य किया और फूलों की वर्षा से पूरे वातावरण को रंगीन बना दिया। कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा, राकेश-नीलू गोधा, राजीव-सीमा जैन (गाजियाबाद), पूर्व पार्षद नरेश-मोनिका जैन (मेड़ता), विनित-विजेता जैन छाबड़ा परिवार सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम शिरोमणि गौरव के रूप में डॉ. राजीव-अंजू जैन (पूर्व एम.डी., सरस डेयरी, सीकर) तथा युवारत्न विनय-स्नेहलता जैन सौगानी परिवार की विशेष उपस्थिति रही। आयोजन के दौरान अनिल-अल्का पाटनी, संजय-निशा गोधा, संजय-मीना अजमेरा, संजय-प्रिया शाह, दिनेश-रेखा बड़जात्या एवं पूरी टीम ने अतिथियों का फूलों की पंखुड़ियों से भव्य स्वागत कर नमन-वंदन किया। प्रतापनगर संभाग को युवा परिषद का एक सक्रिय अंग बताया गया, जो देशभर में सर्वाधिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जाना जाता है, जिसमें महिला एवं पुरुष समान रूप से परिवार की भावना के साथ योगदान देते हैं। कार्यक्रम में युवा परिषद के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन, प्रदेश महामंत्री विमल बज, सतीश कासलीवाल, विनोद जैन लदाना, नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी, मनीष जैन रैणी, अमित-सीमा जैन (केकड़ी वाले), अंकित जैन सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु संयोजक संजय-प्रिया जैन शाह, संजय-मीना अजमेरा एवं दिनेश बड़जात्या सहित पूरी टीम को बधाई दी गई। अंत में युवा परिषद परिवार के महामंत्री संजय जैन गोधा ने सभी अतिथियों, समाजजनों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए आगामी अयोध्या में होने वाले 50वें स्वर्ण जयंती महोत्सव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया।

भगवान महावीर के 2625 वें जन्मोत्सव के अन्तर्गत आदिनाथ जयन्ती से महावीर जयन्ती तक

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन, जयपुर के तत्वावधान में

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के सहयोग से

प्रायोजक ARL ARL Infratech Ltd.

प्रायोजक समाचार जगत

श्री 1008 मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, कल्याण नगर
दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल, सीताबाड़ी सांगानेर

द्वारा

रक्तदान जीवन दान

रक्तदान शिविर एवं

समाज भूषण स्व. श्री राजेन्द्र के. गोधा जीवन रक्षक सम्मान 2026

रविवार 22 मार्च 2026
प्रातः 9 से 1 बजे तक

स्थान : जैन भवन प्रेम कॉलोनी
कल्याण नगर, टोंक रोड़, जयपुर

क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करे और करवाये।।

श्री 1008 मुनिसुव्रत नाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
अध्यक्ष : श्री दुलीचन्द जैन, मानद मंत्री : श्री दिनेश धाडूका
दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल
अध्यक्ष : श्रीमती अंजली जैन, मंत्री : श्रीमती शैला धाडूका
मुख्य संयोजक : प्रमोद-सोनल सोनी (9928566561)

: आयोजन समिति (जयपुर) :
मुख्य समन्वयक : राजेश-सीमा बड़जात्या
मुख्य समन्वयक : राकेश-समता गोदिका
:: समन्वयक (जयपुर) ::
राकेश संघी, राकेश छाबड़ा
अनिल राँवका, नितेश पाण्ड्या

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, फेडरेशन राज. रीजन
अध्यक्ष : सुनील-सुमन बज, सचिव : नीरज-रेखा जैन
कोषाध्यक्ष : प्रमोद-सोनल जैन
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप, सन्मति
अध्यक्ष : राजेश-रानी पाटनी, सचिव : संजय-ज्योति छाबड़ा
कोषाध्यक्ष : कमल-मंजू ठोलिया

महावीर पब्लिक स्कूल में 'स्पोर्ट्स डे' संपन्नः 'खेल से पंच गौरव तक' थीम पर बच्चों ने बिखेरी आभा

नन्हे खिलाड़ियों ने दौड के माध्यम से प्रस्तुत की प्रदेश की सांस्कृतिक और कृषि विविधता

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर के महावीर पब्लिक स्कूल के 'महावीरा' (पूर्व-प्राथमिक विभाग) में शनिवार को 'वार्षिक खेलकूद दिवस 2025-26' का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की संकल्पना (थीम) खेल से पंच गौरव तक रखी गई थी, जिसके माध्यम से नन्हे विद्यार्थियों ने राज्य सरकार की 'पंच गौरव योजना' के विभिन्न आयामों को आकर्षक स्पर्धाओं के जरिए जीवंत किया।

मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती मृदुला जैन पांड्या उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री उमरावमल संघी, मानद् मंत्री श्री सुनील बक्शी, कोषाध्यक्ष श्री महेश काला, संयोजक श्री सुदीप ठोलिया तथा उपाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र कुमार ने शिरकत कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। संपूर्ण आयोजन प्रधानाचार्या श्रीमती सीमा जैन के कुशल मार्गदर्शन एवं समन्वयक सुश्री निकिता कुम्भट के सफल निर्देशन में संपन्न हुआ।

पंच गौरव की झलकियों ने मोहा मन

विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने अपनी दौड (रेस) के माध्यम से प्रदेश की विशिष्टताओं का प्रदर्शन कियाः

प्लेग्रुपः 'रंगती प्याली दौड़' के जरिए 'सहज पके सो मीठा होए' का संदेश दिया।

नर्सरीः 'रेगिस्तानी ऊंट उत्सव दौड़' के माध्यम से एक जिला-एक संस्कृति की झलक दिखाई।

के.जी.ः 'नन्हा पर्यटक दौड़' के जरिए एक जिला-एक पर्यटन स्थल का प्रदर्शन किया।

प्रेप एः 'फसल सद्भाव दौड़' के माध्यम से एक जिला-एक उपज की महत्ता बताई।

प्रेप बीः 'बढ़ो, दिखाओ और चलो दौड़' के जरिए एक जिला-एक वनस्पति की सुंदर प्रस्तुति दी।

सांस्कृतिक और योग की प्रस्तुति

खेलकूद स्पधाओं के साथ-साथ 'मशाल समारोह', 'पुष्प व्यायाम' (फ्लावर ड्रिल) और 'योगासन कहानी' विशेष आकर्षण रहे। अभिभावकों के लिए आयोजित 'ढोला मारू - शाही चक्र दौड़' ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि एवं पदाधिकारियों द्वारा विजेता विद्यार्थियों को पदक व पुरस्कार वितरित किए गए। प्रधानाचार्या ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

वैश्य एकता दिवस पर गौ-सेवा का संकल्प, समाज ने प्रदर्शित की एकजुटता

विकलांग गौशाला में खिलाया हरा चारा और गुड़; वर्ष 2026 को 'गौ-सेवा वर्ष' के रूप में मनाने का आह्वान

अंबाह. शाबाश इंडिया। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा मंगलवार को संगठन के संस्थापक अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद स्वर्गीय रामदास अग्रवाल की जयंती के उपलक्ष्य में 'वैश्य एकता दिवस' श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संगठन के वरिष्ठ नेतृत्व द्वारा वर्ष 2026 को ''गौ-सेवा वर्ष'' के रूप में मनाने के आह्वान के तहत अंबाह में विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से गौ-सेवा पर जोर दिया गया। नगर के परेड चौराहा स्थित विकलांग गौशाला में आयोजित इस कार्यक्रम में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समाजसेवियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान गौ-माता को गुड़, हरा चारा, बेजर और बाजरा सहित अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्री खिलाकर सेवा की गई। उपस्थित सदस्यों ने ''प्रथम ग्रास गौ-माता को'' के संदेश को आत्मसात करते हुए गौ-सेवा को भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग बताया और इसके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में अंबाह विधानसभा अध्यक्ष अमित जैन टकसारी, जिला महिला इकाई की अध्यक्ष श्रीमती किशोरी गुप्ता और विधानसभा महिला अध्यक्ष श्रीमती पूजा गुप्ता के नेतृत्व में समाज के कई गणमान्य जन उपस्थित रहे। इनमें वरिष्ठ समाजसेवी महेश चंद्र जैन, नरेश जैन गुरु, आनंद जैन टकसारी, संतोष जैन, सोनू गोयल, सुशील जैन, हिमांशु अग्रवाल, कुलदीप जैन, साकेत अग्रवाल सहित विकास जैन पाड़े, मनीष जैन और कपिल जैन (केपी) जैसे प्रमुख नाम शामिल थे। इस अवसर पर अमित जैन एवं किशोरी गुप्ता ने कहा कि वैश्य समाज सदैव सेवा और संगठन का प्रतीक रहा है। स्वर्गीय रामदास अग्रवाल ने अपने पांच दशकों के सामाजिक जीवन में वैश्य समाज को वैश्विक पहचान दिलाने का जो कार्य किया, वह आज भी प्रेरणापुंज है। पूजा गुप्ता ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वैश्य एकता दिवस समाज को एक सूत्र में बांधने का सशक्त माध्यम है। सेवा कार्यों के जरिए हम न केवल अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं, बल्कि अपनी परंपराओं को भी जीवित रखते हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

बीजाक्षर मंत्रों की गूंज से जनकपुरी में विश्व शांति का आह्वानः आर्यिका अर्हम श्री माताजी ने कराए 108 जाप्य

श्रद्धालुओं ने 'स्वाहा' के साथ अर्पित कीं लौंग; माताजी ने बताया कि सांसारिक मोह और मोक्ष का अंतर

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी, ज्योतिनगर स्थित जैन मंदिर में प्रवास कर रहीं आर्यिका रत्न 105 अर्हम श्री माताजी ससंघ के सानिध्य में मंगलवार को आध्यात्मिक वातावरण के बीच विश्व शांति और सर्व कल्याण हेतु विशेष अनुष्ठान संपन्न हुआ। इस अवसर पर बीजाक्षर युक्त मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा के पश्चात 'वृहद 108 जाप्य' कराए गए, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। अनुष्ठान के दौरान आर्यिका श्री के मुखारविंद से उच्चारित प्रत्येक मंत्र के बाद श्रद्धालुओं ने 'स्वाहा' के सामूहिक उद्घोष के साथ शांति के प्रतीक स्वरूप एक-एक लौंग समर्पित की। मंत्रोच्चार की ऊर्जा से मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। आर्यिका श्री ने बताया कि बीजाक्षर युक्त मंत्रोच्चार अत्यंत शक्तिशाली होते हैं, जो न केवल नकारात्मक ऊर्जा और विघ्नों का विनाश करते हैं, बल्कि ब्रह्मांड में शांति, समृद्धि और सुख की भावनाओं का प्रसार भी करते हैं। जाप्य के पश्चात आयोजित धर्मसभा में आर्यिका अर्हम श्री माताजी ने अपने आशीर्वचन में जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला। उन्होंने समझाया कि संसार में कोई भी व्यक्ति या वस्तु स्वयं में बंधन या मोक्ष का कारण नहीं होती, बल्कि उसका उपयोग हमारी सोच पर निर्भर करता है। उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि यदि हम सांसारिक वस्तुओं का उपयोग केवल भोग के लिए करते हैं, तो वे बंधन हैं, और यदि वही वस्तुएं संयम और धर्म मार्ग में सहायक बनती हैं, तो वे मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती हैं। मंदिर प्रबंध समिति ने जानकारी दी कि जनकपुरी में आर्यिका संघ के प्रवास के दौरान प्रतिदिन प्रातः प्रवचन, मध्याह्न स्वाध्याय तथा संध्याकाल में प्रतिक्रमण आदि कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। मंगलवार के विशेष कार्यक्रम में मंदिर समिति, महिला मंडल, युवा मंच के सदस्यों सहित नगर के अनेक गणमान्य जनों और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

महावीर इंटरनेशनल संभागीय अधिवेशन

डूंगरपुर केंद्र को मिले 'बेबीकिट' और 'सुकून की छांव' अवॉर्ड

अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन के सानिध्य में संपन्न हुआ समारोह; वीरा कल्पना दोशी 'सेवा श्री' से सम्मानित

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल डूंगरपुर-बांसवाड़ा का संभागीय अधिवेशन रविवार, 15 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर अनिल जैन के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर रीजन-4 के उपाध्यक्ष वीर गौतम राठौड़, जोन चेयरमैन वीर पृथ्वीराज जैन एवं जोन सचिव वीर विनोद दोसी सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। अधिवेशन में विभिन्न सेवा कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले केंद्रों और सदस्यों को सम्मानित किया गया। इसमें 'महावीर इंटरनेशनल वीरा प्रियदर्शनी डूंगरपुर केंद्र' ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। केंद्र को समाज सेवा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य के लिए 'सर्वश्रेष्ठ बेबीकिट' एवं 'सुकून की छांव' अवॉर्ड्स से नवाजा गया। व्यक्तिगत उपलब्धियों में, वीरा सेंटर की चेयरपर्सन वीरा कल्पना दोशी को उनकी समर्पित सेवाओं के लिए प्रतिष्ठित 'सेवा श्री अवॉर्ड' प्रदान किया गया। वहीं, कोषाध्यक्ष वीरा निधि गांधी को चौपाल में सर्वश्रेष्ठ उपस्थिति के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में उपाध्यक्ष वीरा कनकलता जैन, सचिव पुष्पक जैन, कन्वीनर ममता भट्ट सहित सुषमा जैन, नीलम दोशी, दीपिका जैन, आशा वोरा और प्रतीक्षा शर्मा जैसे कई सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था महिला सशक्तिकरण और पीड़ित मानवता की सेवा के लिए निरंतर संकल्पित है।

(रिपोर्टः सुरेश चंद्र गांधी, नौगामा)

बैराठी फाउंडेशन की अनूठी पहल: भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए लगाए सौ से अधिक परिंडे

विश्व पर्यावरण दिवस पर वीकेआई क्षेत्र में चलाया अभियान; फाउंडेशन अब तक लगा चुका है हजारों पेड़

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बैराठी फाउंडेशन के तत्वावधान में जीव-दया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। फाउंडेशन द्वारा विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र (श्डक), रोड नंबर 16 स्थित बैराठी शू कंपनी के सामने स्थित पार्क में बढ़ती गर्मी से पक्षियों के बचाव के लिए सौ से अधिक परिंडे बांधे गए।

भीषण गर्मी में बेजुबानों का सहारा

बैराठी फाउंडेशन के डॉ. सौरभ बैराठी ने बताया कि बुधवार सुबह आयोजित इस कार्यक्रम में कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पार्क के विभिन्न पेड़ों पर लगभग सौ परिंडे लगाए। उन्होंने कहा कि बढ़ते तापमान के कारण बेजुबान पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करना वर्तमान समय की महती आवश्यकता है। फाउंडेशन की टीम इन परिंडों में नियमित रूप से पानी भरने की जिम्मेदारी भी संभालेगी। डॉ. बैराठी ने फाउंडेशन के सेवा कार्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्था समाज सेवा और पर्यावरण सुधार के कार्यों में सदैव अग्रणी रहती है। पूर्व में फाउंडेशन द्वारा वीकेआई औद्योगिक क्षेत्र और मंडा

क्षेत्र में 10 हजार बड़े पेड़ और लगभग 5 हजार पौधे लगाए जा चुके हैं। खास बात यह है कि फाउंडेशन केवल वृक्षारोपण ही नहीं करता, बल्कि उन पौधों के पूर्ण विकास और रख-रखाव का उत्तरदायित्व भी निरंतर निभा रहा है।

वैवाहिक वर्षगांठ पर जीव-दया की अनूठी मिसाल, गौशाला में औषधियां और चारा भेंट

श्री विद्यासागर युवा संगठन ने आदिनाथ भगवान के जन्म कल्याणक पर किया सेवा कार्य; रांवका परिवार का अनुकरणीय कदम

ब्यावर. शाबाश इंडिया। स्थानीय अजमेर रोड स्थित वंदे मातरम्-गौशाला में श्री विद्यासागर युवा संगठन द्वारा जीव-दया और गौ-सेवा का प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री 1008 आदिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से संगठन ने मूक प्राणियों की सेवा का संकल्प दोहराया।

बीमार गौवंश हेतु औषधि दान

संगठन मंत्री अमित गोधा ने बताया कि सेवा कार्य के अंतर्गत सदस्यों ने गौशाला पहुँचकर गायों को हरा चारा खिलाया। इसके साथ ही 'वंदे गौ मातरम् चैरिटेबल ट्रस्ट सर्वजीव सेवाकेंद्र' में

उपचाररत बीमार व दुर्घटनाग्रस्त गौवंश हेतु जीवन रक्षक दवाइयाँ, इंजेक्शन, मरहम व अन्य चिकित्सा सामग्री भेंट की गई। यह पुनीत कार्य श्रेष्ठी वीरकुमार जी, कमल कुमार जी-अनीता जी एवं रांवका परिवार द्वारा सन्मति जी एवं साक्षी जी जैन की पांचवीं वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। रांवका परिवार ने अपनी खुशियों को जीव-सेवा से जोड़कर समाज के सामने एक श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी उपस्थित धर्मप्रेमियों ने मुक्त कंठ से सराहना की। संगठन अध्यक्ष कमल जैन व मंत्री कल्पेश जैन ने बताया कि भगवान आदिनाथ के 'जियो और जीने दो' के सिद्धांतों से प्रेरित होकर संगठन पिछले एक वर्ष से निरंतर भोजन सेवा और जीव-दया के कार्य कर रहा है।

उत्साहजनक सहभागिता

कार्यक्रम में उज्जवल काला, सुमित पहाड़िया, यश पहाड़िया, अंशुल रानिवाला, चंद्रेश रावका सहित बड़ी संख्या में पुरुष, महिला और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महिला शक्ति में प्रीति जैन, अपेक्षा जैन, पारुल गोधा और साक्षी जैन सहित अनेक सदस्याओं ने गौ-सेवा का लाभ लिया। अंत में सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

जियो पेमेंट्स बैंक की नई पहल

अब बिना डेबिट कार्ड यूपीआई से निकलेगा कैश

बिज़नेस कॉरेस्पोंडेंट पॉइंट्स पर क्यूआर कोड स्कैन कर निकाल सकेंगे नकद; ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय समावेशन को मिलेगी गति

मुंबई । डिजिटल बैंकिंग क्षेत्र में अपनी पैठ मजबूत करते हुए जियो पेमेंट्स बैंक लिमिटेड ने 'यूपीआई आधारित कैश विड्रॉल' (UPI-based Cash Withdrawal) सेवा शुरू करने की घोषणा की है। इस नई सुविधा के तहत ग्राहक अब बैंक के बिज़नेस कॉरेस्पोंडेंट (BC) टचपॉइंट्स पर केवल क्यूआर कोड स्कैन करके नकद निकासी कर सकेंगे। इस सेवा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ग्राहकों को पैसे निकालने के लिए भौतिक डेबिट कार्ड या पारंपरिक एटीएम की आवश्यकता नहीं होगी।एटीएम की कमी वाले क्षेत्रों के लिए वरदानबैंक के अनुसार, यह सेवा विशेष रूप से देश के ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जहाँ अक्सर एटीएम की पहुंच सीमित होती है। अब ग्राहक अपने स्मार्टफोन पर किसी भी यूपीआई ऐप के माध्यम से ट्रांजैक्शन को ऑथराइज (प्रमाणीकृत) कर आसानी से नकद प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल डिजिटल भुगतान और नकद की तात्कालिक आवश्यकता के बीच के अंतर को कम करने का काम करेगी।वित्तीय समावेशन की दिशा में बड़ा कदमजियो पेमेंट्स बैंक ने एक बयान में कहा कि यह 'कार्डलेस' सुविधा पहली बार डिजिटल बैंकिंग अपनाने वाले उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित और सरल वातावरण प्रदान करेगी। बैंक का लक्ष्य अपने विस्तृत 'लास्ट-माइल' बिज़नेस कॉरेस्पोंडेंट नेटवर्क के जरिए बैंकिंग सेवाओं को उन वर्गों तक पहुँचाना है, जो अभी भी पूरी तरह नकद पर निर्भर हैं।यह कदम न केवल देश में यूपीआई (UPI) के पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार करेगा, बल्कि वित्तीय समावेशन (Financial Inclusion) के राष्ट्रीय लक्ष्य को भी मजबूती प्रदान करेगा। डिजिटल भुगतान इंफ्रास्ट्रक्चर का यह सुदृढ़ीकरण भविष्य में बैंकिंग को और अधिक सुलभ और पारदर्शी बनाएगा।

सांगानेर में पहली बार होगा 'सर्वतोभद्र मंगल विधान'

आचार्य प्रज्ञा सागर के सानिध्य में सजेगा दरबार

10 दिवसीय विधान में 800 जोड़े देंगे आहुति; 18 फीट लंबे भव्य मंडल पर अर्पित होंगे 2001 अर्घ्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के तत्वावधान में आगामी 19 मार्च से 28 मार्च तक 'कंवर का बाग' परिसर में भव्य 'सर्वतोभद्र मंगल विधान' का आयोजन किया जाएगा। आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित होने वाला यह ऐतिहासिक विधान क्षेत्र में पहली बार संपन्न हो रहा है, जिसे लेकर जैन समाज में भारी उत्साह है।

अध्यात्म और गणना का अनूठा संगम

मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा एवं मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया कि यह विधान सर्व जन कल्याण की भावना से किया जाता है। इसमें तीन लोक के अकृत्रिम जिन मंदिर, तीर्थंकर देव एवं 170 कर्मभूमि के सर्व नव देवताओं की विशेष पूजा-अर्चना होगी। विधान की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें कुल 101 पूजाएं होंगी, जिनमें 1811 अर्घ्य और 190 पूर्ण अर्घ्य शामिल हैं। इस प्रकार प्रत्येक श्रावक द्वारा कुल 2001 अर्घ्य अर्पित किए जाएंगे। प्रशासनिक समन्वयक महावीर सुरेंद्र जैन के अनुसार, विधान हेतु 18 फीट लंबा और 12 फीट चौड़ा विशाल मंडल तैयार किया गया है। इस अनुष्ठान में लगभग 800 जोड़े सम्मिलित होकर विश्व शांति की कामना के साथ करोड़ों मंत्रों का जाप करेंगे।

भव्य शोभायात्रा और पात्रों का चयन

नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सौगानी एवं महिला मंडल अध्यक्ष बबीता सौगानी ने बताया कि गुरुवार को आचार्य श्री के सानिध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा चित्रकूट कॉलोनी जैन मंदिर से रवाना होकर टोंक रोड सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई कार्यक्रम स्थल पहुंचेगी। विधान के मुख्य पात्रों के रूप में मूलचंद पाटनी परिवार को 'सौधर्म इंद्र', अनिल जैन बनेठा परिवार को 'ध्वजारोहण' तथा महावीर कुमार सिरौली को 'कुबेर इंद्र' बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ने कहा, जीवन की भटकन से बचने के लिए बुराइयों का त्याग अनिवार्य है। व्यक्ति कानून की नजरों से तो बच सकता है, लेकिन कर्मों और खुदा (भगवान) की दृष्टि से कोई नहीं बच सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि व्यक्ति को अपने अंतःकरण की अदालत में स्वयं खड़ा होना चाहिए, क्योंकि वहां वह स्वयं ही अपराधी है और स्वयं ही न्यायाधीश।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज में राजस्थान दिवस का उत्साह

कालबेलिया नृत्य और गीतों से जीवंत हुई संस्कृति

प्राधानाचार्य डॉ. अनिल सांवरिया के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम; वीर सपूतों को किया नमन

अजमेर. शाबाश इंडिया। अजमेर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में 'राजस्थान दिवस पखवाड़े' के अंतर्गत मंगलवार को भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज के सभागार में आयोजित इस समारोह में संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों ने अपनी रंगारंग प्रस्तुतियों से राजस्थान की समृद्ध धरोहर को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान लोकगीत, संगीत, कालबेलिया नृत्य और कविता पाठ के जरिए वीर भूमि राजस्थान के सपूतों को याद किया गया। मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य डॉ. अनिल सांवरिया ने राजस्थानी संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन पीएसएम विभागाध्यक्ष डॉ. महेंद्र खन्ना ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. सुनील माथुर सहित डॉ. हेमेश हर्षवर्धन, डॉ. रंजना, डॉ. एम.पी. शर्मा और डॉ. श्याम भूतरा उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. लोकेश अग्रवाल, डॉ. दीप्ति और डॉ. भैरव लाल जाट सहित बड़ी संख्या में भावी चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। अंत में डॉ. महेश मेहता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अजीत कोठिया 'एमआईएफ अवॉर्ड 2026' से सम्मानित

तलवाड़ा संभागीय अधिवेशन में नवाचारों के लिए मिला प्रतिष्ठित सम्मान; अंतर्राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दी बधाई

बांसवाड़ा. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल के नवम संभागीय अधिवेशन (तलवाड़ा) में संगठन के गवर्निंग काउंसिल सदस्य और इंटरनेशनल डायरेक्टर वीर अजीत कोठिया को प्रतिष्ठित 'एमआईएफ अवॉर्ड 2026' से नवाजा गया है। अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन, उपाध्यक्ष गौतम राठौड़ और जोन चेयरमैन पृथ्वीराज जैन ने कोठिया को पगड़ी पहनाकर, शाल ओढ़ाकर और ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया। अजीत कोठिया को यह सम्मान 'ई-चौपाल' के सफल संचालन और ज्ञान साझाकरण के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे दैनिक नवाचारों के लिए दिया गया है। अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन ने कोठिया के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में 'चौपाल' को एक नया और प्रभावी स्वरूप मिला है। इस उपलब्धि पर रामभरत चेजारा, मणिलाल सूत्रधार, सुंदरलाल पटेल, विष्णप्रसाद रावल सहित जगदीश वागड़िया, ललित पाटीदार और कुलदीप वसीटा ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

श्री महावीरजी में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार

22 मार्च को होगा ऑपरेशन थिएटर और आई-ओपीडी का उद्घाटन

विशाल निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का भी होगा आयोजन; क्षेत्रवासियों को अब स्थानीय स्तर पर मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

श्रीमहावीरजी (करौली)

प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक बड़ी पहल की जा रही है। अतिशय क्षेत्र के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल के प्रयासों और 'महावीर इंटरनेशनल, दिल्ली' के विशेष सहयोग से क्षेत्र के 'श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल एवं प्रसूति केंद्र' में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार किया गया है।आधुनिक ओटी और आई-ओपीडी का शुभारंभश्री महावीरजी कमेटी के मानद मंत्री उमराव मल संघी ने जानकारी दी कि अस्पताल में नवनिर्मित अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर (OT) और नेत्र ओपीडी (Eye OPD) का विधिवत उद्घाटन रविवार, 22 मार्च 2026 को किया जाएगा। इस विकास के बाद अब अस्पताल में मोतियाबिंद के ऑपरेशन और नेत्र रोगों से संबंधित जटिल उपचार नियमित रूप से उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे करौली और आसपास के ग्रामीण अंचलों के मरीजों को बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविरविशेषाधिकारी विकास पाटनी ने बताया कि इस उद्घाटन अवसर को सेवा दिवस के रूप में मनाते हुए एक विशाल निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर रविवार को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक श्रीमती चन्द्रावली सिद्धोमल जैन अस्पताल परिसर में आयोजित होगा। शिविर में उपलब्ध प्रमुख सेवाएं:विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा नेत्र परीक्षण।सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श।ईसीजी (ECG) और रक्तचाप (BP) की निःशुल्क जांच।शुगर (मधुमेह) की जांच।स्थानीय प्रबंधन ने क्षेत्र के सभी जरूरतमंद नागरिकों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। उद्घाटन समारोह में कई गणमान्य जन और समाज श्रेष्ठी उपस्थित रहेंगे।

ज्योतिष सम्मेलन में वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर जोर: अंधविश्वास मिटाने और प्रमाणिकता का आह्वान

मेडिकल एस्ट्रोलॉजी, वास्तु और अरोमा थेरेपी पर शोध प्रस्तुत; देश भर से जुटे 100 से अधिक विद्वान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

ज्योतिष अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान तथा मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ। 14 व 15 मार्च को आयोजित इस समागम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए करीब 100 ज्योतिषाचार्यों और शोधकर्ताओं ने ज्योतिष को विज्ञान की कसौटी पर कसते हुए अपने महत्वपूर्ण शोध पत्र प्रस्तुत किए।

मेडिकल एस्ट्रोलॉजी और स्वास्थ्य का संबंध

सम्मेलन के दौरान कोलकाता से आए प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष कश्यप ने ह्लमेडिकल एस्ट्रोलॉजीह्व विषय पर अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने ज्योतिष और स्वास्थ्य के पारस्परिक संबंधों को वैज्ञानिक दृष्टि से रेखांकित किया। वहीं, किशनगढ़ के नंदकिशोर शर्मा ने ज्योतिषीय योगों के माध्यम से यह समझाया कि जन्म कुंडली के कौन से ग्रह नक्षत्र व्यक्ति के कुशल चिकित्सक बनने की संभावनाओं को प्रबल करते हैं। सम्मेलन में डॉ. कल्पना शर्मा का शोध विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। उन्होंने 'अरोमा थेरेपी' और 'वास्तु' के समन्वय से बिना किसी भौतिक तोड़फोड़ के सकारात्मक ऊर्जा के संचार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि किराए के मकानों या व्यावसायिक इमारतों, जहाँ संरचनात्मक परिवर्तन संभव नहीं होते, वहाँ सुगंध (अरोमा) और रत्नों के जरिए वास्तु दोषों को संतुलित किया जा सकता है। उन्होंने 'जियोपैथिक स्ट्रेस' (भूमिगत तनाव) के प्रभाव और विशेष उपकरणों के माध्यम से उसके निवारण की तकनीकी जानकारी भी साझा की।

दिशा बदली तो दशा बदलेगी

डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि यद्यपि जन्म कुंडली स्थायी होती है, लेकिन जीवन पर वास्तु का प्रभाव लगभग 40 प्रतिशत तक होता है, जिसे वैज्ञानिक उपायों से सुधारा जा सकता है। उन्होंने पंच तत्वों के संतुलन को ही वास्तविक वास्तु बताते हुए कहा कि सही दिशा का चयन व्यक्ति की दशा बदल सकता है।

संस्थान का मुख्य उद्देश्य

संस्थान के सदस्यों ने वर्षभर किए गए अपने शोध कार्यों को साझा करते हुए दोहराया कि संस्था का प्राथमिक उद्देश्य समाज में व्याप्त अंधविश्वास को दूर करना है। विशेषज्ञों ने आह्वान किया कि ज्योतिष को केवल भविष्यवक्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रमाणिक और वैज्ञानिक ज्ञान पद्धति के रूप में प्रसारित किया जाना चाहिए।

(रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप')

पेपर मेशी की परतों में सजीं संवेदनाएं, इंस्पिरिट आर्ट गैलरी में अंतरराष्ट्रीय कला का संगम

यूके की कलाकार मिशेल फाइन की प्रदर्शनी का शुभारंभ; ट्राइबल और भारतीय कला का अनूठा मिश्रण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर की 'इंस्पिरिट आर्ट गैलरी' में सोमवार शाम यूनाइटेड किंगडम की प्रख्यात कलाकार मिशेल फाइन की पेपर मेशी कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ हुआ। स्नेहपूर्ण और प्रेरणादायक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के प्रतिष्ठित कलाकारों और कला प्रेमियों की उपस्थिति ने इसे एक गरिमामय और आत्मीय आयोजन बना दिया।

छह वर्षों का जुड़ाव और कलात्मक यात्रा

गैलरी संस्थापक एवं प्रदर्शनी क्यूरेटर डॉ. निर्मल यादव ने बताया कि प्रदर्शनी में मिशेल फाइन की विशिष्ट कलात्मक अभिव्यक्तियां दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही हैं। गैलरी संयोजक रणवीर सिंह के अनुसार, मिशेल पिछले छह वर्षों से निरंतर उदयपुर आ रही हैं और इस गैलरी से जुड़ी हुई हैं। उनकी कला पर भारतीय लोक कला और 'ट्राइबल अफ्रीकन आर्ट' का गहरा प्रभाव स्पष्ट रूप से झलकता है। प्रदर्शनी में मिशेल की 8 पेपर मेशी और 5 डिजिटल आर्ट कृतियां प्रदर्शित की गई हैं। इनमें से अधिकांश कृतियां उन्होंने उदयपुर प्रवास के दौरान गैलरी द्वारा उपलब्ध कराए गए स्टूडियो में पिछले एक माह में तैयार की हैं। उल्लेखनीय है कि उनकी डिजिटल कृतियां पूर्व में मुंबई और अहमदाबाद जैसे महानगरों में भी सराही जा चुकी हैं।

बिना योजना के सहज सृजन प्रक्रिया

अपनी सृजन प्रक्रिया साझा करते हुए मिशेल फाइन ने बताया कि उनका काम किसी पूर्व निर्धारित योजना के बिना शुरू होता है। वे सहज रूप से बनावटों को उभरने देती हैं, जहाँ हर परत अगली परत का मार्गदर्शन करती है। उनके अनुसार, ये परतें किसी भूगोल की तरह उनकी स्मृतियों, भावनाओं और प्रकृति के साथ उनके गहरे संबंध को अभिव्यक्त करती हैं।

कलाकारों ने की सराहना

इस अवसर पर उपस्थित डॉ. हेमंत द्विवेदी, डॉ. शाहिद परवेज, डॉ. युगल किशोर शर्मा, डॉ. रघुनाथ शर्मा, डॉ. मीना बया और डॉ. सूरज सोनी ने मिशेल की संवेदनशील अभिव्यक्ति और सामग्री के अभिनव प्रयोग की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कला प्रेमियों के लिए यह प्रदर्शनी 19 मार्च तक प्रतिदिन शाम 4:00 से 9:00 बजे तक खुली रहेगी।

(रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप')

भक्तामर दीप अर्चना के साथ मनाया गणगौर उत्सव, फूलों की होली ने बिखेरे रंग

जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति का आयोजन; 300 से अधिक महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में ली शपथ

जयपुर. शाबाश इंडिया

जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की ओर से मंगलवार को 'गणगौर उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। सांगानेर स्थित ऐतिहासिक श्री दिगम्बर जैन मंदिर (बधीचंद जी) में आयोजित इस समारोह में भक्ति, संस्कृति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

भक्तामर पाठ और दीप अर्चना

समिति की अध्यक्ष डॉ. शीला जैन एवं मंत्री पुष्पा सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ 48 दीपकों के साथ 'भक्तामर दीप अर्चना' से हुआ। लाल पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी 300 से अधिक महिलाओं ने साजों और भक्तिपूर्ण नृत्यों के साथ भक्तामर पाठ किया, जिससे पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से भर उठा। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू हुई, जिसमें ईसर-गणगौर के रूप में नीरा लुहाड़िया और निशा जैन की प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया।

नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण

उत्सव के दौरान संस्था की नई कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भी संपन्न हुआ। प्रचार मंत्री नीरा लुहाड़िया ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता कुसुम सोगानी ने की, जबकि सुलेखा शाह मुख्य अतिथि और राखी जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में 150 से अधिक पुरस्कारों का वितरण अनिता जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर संगिनी जेएसजी मेट्रो की अध्यक्ष दीपिका जैन, पूनम चांदवाड़, प्रिया बड़जात्या, सुनीता अजमेरा और अर्चना वैद सहित कई गणमान्य महिलाएं विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

फूलों की होली और फाग के गीत

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फूलों की होली रही। 'होलिया में उड़े रे गुलाल' और 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' जैसे फाग गीतों पर महिलाओं ने जमकर नृत्य किया और एक-दूसरे पर पुष्प वर्षा कर होली की शुभकामनाएं दीं। आयोजन को सफल बनाने में संयोजक सुधा वैद्य, ममता शाह और प्रतिभा पाटनी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राजस्थान दिवस पर महका अजमेर का किला

पर्यटकों का 'गुलाब' से स्वागत, शौर्य गाथाओं से हुए रूबरू

महावीर सेवा परिषद की अनूठी पहल; देश-दुनिया से आए सैलानियों को बताया राजस्थान का गौरवशाली इतिहास

अजमेर. शाबाश इंडिया

राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'महावीर सेवा परिषद' द्वारा प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं से आमजन को अवगत कराने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में नया बाजार स्थित ऐतिहासिक 'अजमेर के किले' (राजकीय संग्रहालय) में आने वाले पर्यटकों का गुलाब का फूल भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। वीरता और बलिदान की गाथाओं से परिचय परिषद के महासचिव कमल गंगवाल ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य दूसरे राज्यों और दूर-दराज से आए सैलानियों को राजस्थान की 'आन-बान और शान' से परिचित कराना था। पर्यटकों को राजस्थान के वीरों की गाथाओं, यहाँ के लोगों की दृढ़ इच्छाशक्ति और त्याग व बलिदान के इतिहास के बारे में जानकारी दी गई। स्वागत पाकर पर्यटक अभिभूत नजर आए और उन्होंने राजस्थानी आतिथ्य सत्कार की सराहना की। विशेषज्ञों ने साझा किया इतिहास समारोह के दौरान संग्रहालय अधीक्षक अक्षत जैन ने पर्यटकों को किले के ऐतिहासिक महत्व और राजस्थान की लोक कलाओं के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर परिषद के उपाध्यक्ष विजय पांड्या, कोषाध्यक्ष संजय जैन और दीपक पटवा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में संग्रहालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी पंकज कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भीलवाड़ा में शिव महापुराण की गूंज

घर-घर 'पीले चावल' देकर मातृशक्ति देगी कथा का आमंत्रण

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। धर्मनगरी भीलवाड़ा में प्रख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में आयोजित होने वाली 'शिव महापुराण कथा' को ऐतिहासिक बनाने के लिए मातृशक्ति ने कमान संभाल ली है। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबूगिरी महाराज के मार्गदर्शन में 8 से 14 अप्रैल तक होने वाले इस भव्य आयोजन की तैयारी हेतु रविवार को महिला संगठनों की विशेष बैठक संपन्न हुई।

घर-घर दस्तक और क्षेत्रवार समितियां

विधायक अशोक कोठारी एवं कार्यकारी अध्यक्ष राधेश्याम सोमानी के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में तय किया गया कि भीलवाड़ा के प्रत्येक परिवार तक पीले चावल पहुंचाकर आमंत्रण दिया जाएगा। महिला संयोजक मंजू पोखरना एवं अलका जोशी ने बताया कि प्रभावी जनसंपर्क हेतु शहर को विभिन्न क्षेत्रों में बांटा गया है। प्रत्येक 100 घरों पर एक महिला प्रभारी नियुक्त की जाएगी, जो परिवारों को कथा से जोड़ने का कार्य करेगी।

7 अप्रैल को निकलेगी भव्य कलश यात्रा

कथा की पूर्व संध्या पर 7 अप्रैल को शाम 4 बजे चित्रकूटधाम से विशाल कलश शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए संकटमोचन हनुमान मंदिर पहुंचेगी। बैठक में महासचिव पीयूष डाड सहित आयोजन समिति के प्रमुख सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान ममता शर्मा, मंजू तंबोली, साधना सोनी, कृष्णा माहेश्वरी और चंपा टेलर सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों की 200 से अधिक महिला कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यालय प्रभारी रजनीकांत आचार्य ने अधिकाधिक संख्या में मातृशक्ति से इस धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी बनने की अपील की है।

जीवन की समस्याओं का समाधान जिन-धर्म में संभव: मुनिश्री समत्व सागर

घुवारा पंचकल्याणक की तैयारियाँ अंतिम चरण में; विभिन्न शहरों में उत्साह के साथ संपन्न हुई 'गोद भराई' की रस्म

घुवारा/सागर. शाबाश इंडिया

घुवारा में आयोजित धर्म प्रवचन श्रृंखला के दौरान पूज्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने जीवन प्रबंधन पर सारगर्भित विचार रखे। मुनिश्री ने कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थी, युवा और गृहस्थ, सभी किसी न किसी मानसिक या व्यावहारिक समस्या से जूझ रहे हैं। इन सभी समस्याओं का मूल समाधान जैन धर्म में बताए गए 'षट् आवश्यक' और नियमित देव दर्शन में समाहित है।

जिनालय है सकारात्मक ऊर्जा का 'पावर स्टेशन'

मुनिश्री ने सुबह की दिनचर्या पर जोर देते हुए कहा कि उठते ही मोबाइल या समाचार पत्र देखना नकारात्मकता बढ़ाता है। इसके विपरीत, जिनालय (मंदिर) एक 'पावर स्टेशन' की तरह है, जहाँ प्रवेश मात्र से मन को शांति और स्थिरता मिलती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैसे भोजन और विश्राम अनिवार्य हैं, वैसे ही देव दर्शन को जीवन का अटूट हिस्सा बनाना चाहिए। आगामी प्रवचनों में वे अभिषेक और पूजन की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डालेंगे।

पंचकल्याणक महोत्सव: माता-पिता की गोद भराई

घुवारा में होने वाले भव्य 'पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' की तैयारियाँ अब अंतिम चरण में हैं। इस महोत्सव में तीर्थंकर के माता-पिता बनने का सौभाग्य सेठ सुखानंद जी और भगवती जैन को प्राप्त हुआ है। इसी क्रम में अमरमऊ, हीरापुर, शाहगढ़ और सागर में 'गोद भराई' के अनुष्ठान भव्यता के साथ संपन्न हुए। हीरापुर में गाजे-बाजे के साथ मनीष सिंघई व सुंदरलाल पटवारी के निवास पर समाज की उपस्थिति रही। वहीं, सागर के रामपुर स्थित वासुपूज्य जिनालय और देवेंद्र जैन (सागर कंप्यूटर) के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में अनेक गणमान्य जनों ने सम्मिलित होकर मंगल कामनाएं कीं।